Rajgor's

India's largest circulating Hobby Newspaper with Free Download on www.Gullak.in

Sr. No. 74 | Year 7 | Issue 10 | October 1, 2015 | Pg. 8 | ₹ **35** | Editor: **Dr. Dilip Rajgor**

गुल्लक Gullak

ISSN 0975-8062

Your Complete Monthly Newspaper for Coins, Antiques, Collectibles, Paintings & Visual Arts

Reesha Books International, Rajgor's, 6th Floor, Majestic Shopping Center, Near Church, 144 J.S.S. Road, Opera House, **Mumbai 400004**

Tel 022-3394 9331 • 022-23820 647 • ***Cell*** +91- 773838 4585 • info@rajgors.com • www.NGSofIndia.com • www.Rajgors.com

किला शाहाबाद 'कोटा व झालावाड राज्य की नई टकसाल'

प्रवीन जैन

शाहाबाद की स्थापना व इतिहास

वर्तमान में शाहाबाद राजस्थान के बारां जिले में कोटा-शिवपुरी-ग्वालियर राजमार्ग पर बारां से ८४ कि० लो० मी० की दूरी पर कूनू नदी के तट पर स्थित है। इसकी सीमाएं एक ओर से मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के कौलारस परगने को छूती है। शाहाबाद एक समय में बहुत फला फूला कस्बा था। एक पुस्तक - कोटा 'जिलेवार सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक अध्ययन' में मोहनलाल गुप्ता लिखते हैं "जिस समय कोटा में साठ घर भी नही थे तब शाहाबाद में साठ हजार की बस्ती थी। इसका प्रमाण आज भी यहां दूर दूर तक फैले खण्डहरों; पुरानी हवेलियों; महलों; गढ़ और शहर पनाह से मिल जाता है। शाहाबाद कस्बा ९ वीं- १० वीं शती में निर्मित प्रतीत होता है।" एक समय पर रणथम्भौर के प्रतापी राजा हमीर के वंशज मुकुटमणी देव ने शाहबाद को अपनी राज़धानी बनाया। मुकुटमणी ने १५२० इस्वी में शाहाबाद किले को बनवाया। इंद्रमन धंधेरा जो मुगल राजा शाहजाहां के शासन काल में ४ हजार का मनसबदार था यहां का अंतिम प्रतापी चौहान राजा रहा। बाद में विद्रोह के आरोप में शाहजाहां से इन्द्रमन से शाहबाद छीन लिया तथा विट्ठल दास गौड को दे दिया। लेकिन बाद में औरंगजेब ने गौड से छीन कर मुगल साम्राज्य में मिला लिया। जब मराठे उत्तर भारत की ओर आए तो उन्होने शाहबाद पर कब्जा कर लिया। मराठो से १७१४ में कोटा के महाराव भीम सिंह प्रथम ने इसे जीत लिया। तत्पश्चात् यह मराठो और कोटा के बीच आता जाता रहा। अंत में १७९० इस्वी में महाराव उमेद सिंह व जालिम सिंह ने इसे जीत कर व मराठो को हरजाना देकर सदा के लिए कोटा राज्य में मिला लिया।

शाहाबाद के सिक्के

शाहाबाद में टकसाल कब शुरु हुई इसका कोई लिखित प्रमाण नही मिलता लेकिन किला शाहाबाद लिखा कोटा राज्य का सबसे पहला सिक्का, शाह आलम द्वितीय का शासनावर्ष 45 का मिलता है अर्थात् १८०२-१८०३ में यहां टकसाल चालू थी। कुछ समय पूर्व तक किला शाहाबाद टकसाल के सिक्के नही मिलते थे तथा जो मिलते थे उन्हें गलत पढा गया था। किसी भी पुस्तक या कैटलॉग में यह प्रकाशित नही थे इस टकसाल का ज़िक्र तक नही मिलता है। सर्व प्रथम किला शाहाबाद के सिक्के मेरे द्वारा लिखित व JONS No 204 में प्रकाशित लेख A new Mint for Indian Princely State Kotah & Jhalawar "Qila Shahabad" द्वारा प्रकाशित हुए। इसी लेख का नया रुप यहां प्रस्तुत हैं। शाहाबाद टकसाल के तांबे व चांदी के सिक्के मिलते है लेकिन सोने का कोई सिक्का देखने में नही आया है। यहां इस लेख में हमने केवल चांदी के सिक्को को लिया है।

शाहाबाद टकसाल के कोटा राज्य के सिक्के

ऐसा प्रतीत होता है कि शाहाबाद में लगभग १८०२-१८०३ में महाराव उम्मेद सिंह के द्वारा टकसाल खोली गई। कोटा तथा शाहाबाद दोनो टकसालो के एक ही प्रकार के सिक्के मिलते है केवल टकसाल के नाम का अन्तर नजर आता है यहां तक की सिक्को पर टकसाल चिन्ह भी एक ही जैसे होते है। शाहाबाद के सिक्को पर टकसाल का नाम निम्न प्रकार से मिलता है

قلعہ شاباد   کلہ شاباد   کلعہ شاباد

कोटा राज्य के शाहबाद टकसाल के जिन शासको के सिक्के मिलते है उनके नाम है।

महाराव उम्मेद सिंह १७७१-१८२० ईस्वी

महाराव किशोर सिंह १८२०-१८२८ ईस्वी

महाराव राम सिंह द्वितीय १८२८-१८६६ ईस्वी

लेख में दर्शित सिक्को से अलग भी कई तारीखो के किला शाहाबाद के सिक्के मिलते है लेकिन यहां मैने उन्ही सिक्कों को दर्शाया है जिनके चित्र मेरे पास उपलब्ध थे। इन सिक्को के अग्रभाग पर निम्न चिन्ह मिलते है।

तथा पृष्ठ भाग पर निम्न चिन्ह मिलते है।

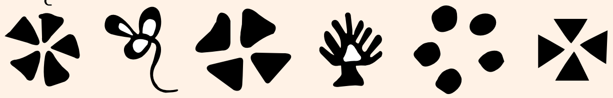

महाराव उम्मेद सिंह '1771–1820' के सिक्के

सबसे पहला सिक्का जो किला शाहाबाद टकसाल के नाम का मिलता है वह शाह आलम द्वितीय के नाम में शासन वर्ष ४५ का है। इस सिक्के को पहले कुछ विद्वानो द्वारा गगरेन पढ़ा गया था। लेकिन बाद में मेरे द्वारा JONS 204 में लिखित लेख में किला शाहाबाद पढ़ा गया जो आज सर्व मान्य है। महाराव उम्मेद सिंह के सिक्को को दो भागो में विभक्त किया जा सकता है।

1. शाह आलम द्वितीय के सिक्के

शाह आलम द्वितीय के नाम में उसके शासना वर्ष ४५, ४६ व ४७ के सिक्के मिलते है जो निम्न है

RY 45 RY 46

RY 47

इन सिक्को पर टकसाल चिन्ह व अरबी भाषा में निम्न लेख रहता है

अग्रभाग पर	पृष्ठ भाग पर
شاه اکبر بهادر	مانوس
بادشاه غازي	میمنت
سکه مبارک	سنه جلوس
	ضرب کله شاباد

शाहाआलम बाहादुर	मेमनत
बादशाह गाज़ी	सनाह जलूस
सिक्का मुबारक	ज़रब किला शाबाद
मानूस	

अग्रभाग के चिन्ह

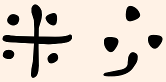

पृष्ठ भाग के चिन्ह

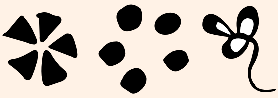

2. मोहम्मद अकबर द्वितीय के नाम के सिक्के

दिल्ली में शाह आलम द्वितीय की मृत्यु के पश्चात मोहम्मद अकबर द्वितीय के गद्दी पर बैठने पर कोटा राज्य के सिक्को पर भी मोहम्मद अकबर द्वितीय का नाम आने लगा। शाहाबाद टकसाल के मोहम्मद अकबर द्वितीय के शासनावर्ष १ २ ३ व ४ के सिक्को में टकसाल كل شاباد इस प्रकार से लिखी रहती है। शासनावर्ष १ व २ के सिक्के निम्न प्रकार के होते है। निम्न सिक्के का चित्र श्री नरेन्द्र कटियाल द्वारा उपलब्ध कराया गया । श्री नरेन्द्र कटियाल इसके लिए धन्यवाद के पात्र है।

RY 2

इन सिक्को पर टकसाल चिन्ह व अरबी भाषा में निम्न लेख रहता है

अग्रभाग पर	पृष्ठ भाग पर
شاه اکبر بهادر	مانوس
بادشاه غازي	میمنت
سکه مبارک	سنه جلوس
	ضرب کله شاباد

शाहा अकबर बाहादुर	मानूस
बादशाह गाज़ी	मेमनत
सिक्का मुबारक	सनाह जलूस
	ज़रब किला शाबाद

अग्रभाग के चिन्ह

पृष्ठ भाग के चिन्ह

शासनावर्ष ३ व ४ में टकसाल के कुछ चिन्हो को बदला गया है। शासनावर्ष १० के सिक्को में टकसाल का नाम कुछ अलग यानि كل को قلعه करके लिखा गया है यानि टकसाल का नाम قلعه شاباد लिखा रहता है। उदाहरण के लिए शासना वर्ष तीन, चार, सात व दस के सिक्के निम्न दर्शित किए गए है।

RY 3

RY 4

पृष्ठ भाग के चिन्ह

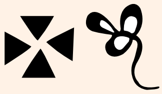

टकसाल का नाम

كلہ شاباد

अग्रभाग का चिन्ह

पृष्ठ भाग का चिन्ह

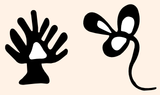

टकसाल का नाम

كلہ شاباد

RY 7

RY 10

अग्रभाग के चिन्ह

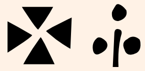

पृष्ठ भाग के चिन्ह

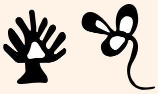

टकसाल का नाम

قلعہ شاباد

अग्रभाग के चिन्ह

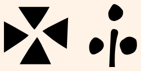

पृष्ठ भाग के चिन्ह

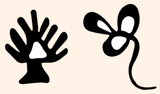

टकसाल का नाम

قلعہ شاباد

इन सिक्कों के अग्रभाग पर निम्न लेख रहता है

محمد اكبر شاه بادشاه غازي

صاحب قران ثاني

سكہ مبارك

तथा पृष्ठ भाग पर निम्न लेख रहता है

مانوس

ميمنت

سنہ جلوس

ضرب كلہ شاباد या ضرب قلعہ شاباد

मोहम्मद अकबर बादशाह गाज़ी

साहिब-ए-किरान सानी

सिक्का मुबारक

मानूस

मेमनत

सनाह जलूस

ज़रब किला शाबाद

महाराव किशोर सिंह '1820–1827' के सिक्के

महाराव किशोर सिंह के शासन काल में भी किला शाहाबाद टकसाल कार्यरत रही। उनके राज्य काल के सिक्को पर भी मोहम्मद अकबर द्वितीय का नाम लिखा रहता है।

RY 19

इन सिक्को पर टकसाल चिन्ह व लेख उसी प्रकार है जैसा उपरोक्त RY 10 में है।

महाराव राम सिंह द्वितीय '1828–1866' के सिक्के

यह सिक्के भी मोहम्मद अकबर द्वितीय के नाम के है तथा इनमे शासना वर्ष २८, २९ व ३१ है। इन पर टकसाल का नाम, टकसाल चिन्ह व लेख उसी प्रकार है जैसा उपरोक्त RY 10 में है।

RY 124x / RY28

RY 29

RY 31

निम्न नज़राना सिक्के का चित्र डॉक्टर शैलेन्द्र भंडारे द्वारा उपलब्ध कराया गया जो ब्रिटिश म्यूजियम में संरक्षित है। डॉक्टर भंडारे इसके लिए धन्यवाद के पात्र है। इस सिक्के पर भी लेख व चिन्ह उसी प्रकार है जैसे उपरोक्त शासनावर्ष १० में है।

RY 124x/24

किला शाहाबाद के झालावाड़ राज्य के सिक्के

१० अप्रैल १८३८ को अंग्रेज सरकार व महाराव मदन सिंह "झालावाड के प्रथम महाराव" के बीच संधी के तहत कोटा राज्य को विभाजित कर झालावाड राज्य का गठन कर दिया गया। झालावाड राज्य के प्रथम महाराव मदन सिंह जालिम सिंह झाला के पौत्र थे।

महाराव मदन सिंह के सिक्के 1838–1847 ईस्वी

कोटा से झालावाड के विभाजन में शाहाबाद झालावाड राज्य में आ गया था तथा किला शाहाबाद के सिक्को पर कोटा की जगह झालावाड राज्य का पॉच पत्ती का झाड़ आने लगा। १८ अप्रैल १८३८ को दिल्ली की गद्दी पर बहादुर शाह ज़फर का शासन था। इसी कारण झालावाड के प्रथम सिक्के पर भी बहादुर शाह द्वितीय का नाम मिलता है। सिक्को पर टकसाल का नाम قلعه شاباد लिखा रहता है। झालावाड के सिक्को पर निम्न दर्शित चिन्ह मिलते है।

RY 1

RY 4

इन सिक्कों के अग्रभाग पर निम्न लेख रहता है	तथा पृष्ठ भाग पर निम्न लेख रहता है
محمد بهادر شاه	مانوس
بادشاه غازي	ميمنت
سكه مبارك	سنه جلوس
	ضرب قلعه شاباد

मोहम्मद बहादूर शाहा	मानूस
बादशाह गाज़ी	मेमनत
सिक्का मुबारक	सनाह जलूस
	जरब किला शाबाद

संदर्भ ग्रंथ

1. JONS 204, A new Mint for Indian Princely State Kotah & Jhalawar "Qila Shahabad"
2. कोटा 'जिलेवार सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक अध्ययन' लेखक मोहनलाल गुप्ता
3. वीर विनोद लेखक कविवर शामलदास

Rajgor's
Academy | Auctions | Books | Certification

Highlights of Rajgor's Auction 42

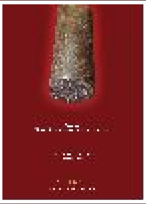

Lot 15
Estimate: ₹ 1,50,000-2,00,000
Realized: ₹ **1,90,000**

Coastal Karnataka, Feudatories of the Chalukyas, Gold, 4.75 g, 22.69 mm, Pagoda-Gadyana, *Extremely Fine, Extremely Rare*

Lot 27
Estimate: ₹ 4,000-5,000
Realized: ₹ **15,000**

Mahmud Shah bin Muhammad Shah (AD 1393-1413; AH 795-815), Silver, **Tanka**

Lot 28
Estimate: ₹ 5,000-8,000
Realized: ₹ **16,001**

Mubarak Shah (AD 1421-1434; AH 824-837), Silver, **Tanka**, issued in the name of Muhammad Shah bin Firuz Shah Tughlaq

Lot 66
Estimate: ₹ 65,000-75,000
Realized: ₹ **65,000**

Akbar, Gold, 11.02 g, **Square Mohur, Urdu Zafar Qarin mint**, AH *Alif* (1000), complete mint name in the last line on rev,

Lot 80
Estimate: ₹ 60,000-65,000
Realized: ₹ **60,000**

Shah Alam I Bahadur, Gold, 10.97 g, **Mohur, Mailapur mint**, *About Extremely Fine, Scarce.*

Lot 86
Estimate: ₹ 12,000-15,000
Realized: ₹ **33,000**

Farrukhsiyar, Gold, 3.33 g, Pagoda, Imtiyazgarh (Adoni) mint, name of the ruler on obv, *Imtiyaz* at top and *garh* at bottom on rev, RY 3 (KM# 385.3). UNC, Rare in this grade.

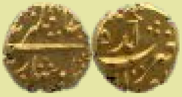

Lot 90
Estimate: ₹ 10,000-12,000
Realized: ₹ **12,500**

Alamgir II, Gold, 3.34 g, Pagoda, Imtiyazgarh (Adoni) mint, name of the ruler, *Alamgir Sani / Badshah Sanah 2* on obv, *garh* at top and *Imtiyaz* at bottom on rev, RY 2,

Lot 128
Estimate: ₹ 2,000-2,500
Realized: ₹ **12,000**

Asifnagar mint, Silver, **Rupee**, in the name of Shah Alam II, mint name at top on rev, AH 1190, RY 18, a sword as a mint mark on obv

Continued Page 8

Numismatics as a Source of Investments (X)

By Sandeep Shah

Selling your Collections (Part IV)

Friends, am continuing with selling your collection:

Selling your collection through a Auction House:

"A fair price is the highest one a collector can be induced to Pay" - Robert Hughes.

An Auction is a truly free market where each coin stands on its own Merits. Auction has always been and will forever be the best way to show a product to as many potential customers as possible. When the coin is rare, competing customers are important, and an auction is the best venue. There are many benefits to this method of disposition, as each coin realizes at its true worth.

Every coin has to be examined carefully & physically by those most interested in it. A rare collectible coin which is not in trade frequently has to be described as uncertain value wise, as it has no enough trades known. A buyer at certain level can ascertain absolute price of the coin.

The collector community is generally a small one, most serious buyers are aware when coins of their interests are offered for sale at auctions. A well advertised sale by an established auction house will likely draw attention of all the known buyers and others as well.

A competitive demand will decide & dictate the strongest result and produce the truest value for a particular coin. A good auction brings very best price realisations. Reputable Auction houses will leave you with the peace of mind as you are assured that coins are exposed to every buyer possible in a transparent way.

One should always choose an auctioneer with a strong track record. One who has the clientele and has greatest number of potential buyers online and on floor with large attendance, curiosity & excitement.

Following Qualifications one should consider or look for an Auctioneer:

1) Longevity in the Business.
2) Financial Resources & Stability
3) Location
4) Professional Personnel
5) Advertising Resources
6) Competitive Rates
7) Strong Catalogue & Imaging

Internet / Online Auctions were the coins are auctioned in online website are another option by a auctioneer.

We continue with this subject in next article...

5th
Rajgor's
COIN Festival
3-4-5-6 December Goa 2015
Exhibition & Trade Fair of
Coins, Banknotes, Collectibles and Stamps

Surana Art

AMIT ASHOK SURANA
NUMISMATIST, JEWELLERY DESIGNER
ART DEALERS
SPECIALIZING IN INDIAN OLD COINS, TOKENS, BANK NOTES & SILVERWARE
Mobile: Amit: 91 98193 81833, Ashok: 91 98200 81833
Email: nareshsrn@yahoo.co.in / amit@suranaart.com
Website: www.suranaart.com
Office No. 17, 1st Floor, J. R. Shetty Building, 72, Nakoda Street, Pydhonie, Mumbai - 400 003. India.
Tel: 022 - 2345 2927

Calendar of Events 2015-16

	Month		Date	PlaceEvent Venue
October	**3**	**Kota**	**Rajgor's Auction 42**	**5.00 pm, 4th Coin Festival - Kota Mudra Utsav 2015**
October	10-11	Chennai	98th Annual Conference	NSI, University annexe auditorium, Chennai
October	16-18	Mumbai	Mumbai Coin & Philately Fair 2015	World Trade Centre (Mumbai Coin Society)
October	**24**	**Internet**	**i-Auction 43 Rajgor's**	**3.00 pm - Swami Collection of Mughal Coins**
November	14-17	Gwalior	Coin, Stamps & Autographs Exhibition 2015	Gwalior (Neel Kamal Maheshwari 094257 45455)
November	20-22	Ludhiana	Ludhiana Coin Exhibition	Lions Bhawan, Udham Singh Nagar, Ludhiana (Punjab)
December	**3-4-5-6**	**Goa**	**5th Coin Festival - Goa 2015**	**Rajgor's at Institute Menezes Braganza, Panji, Goa**
December	10-12	Pune	Coinex-Pune-2015	Sonal Hall, Karve Road Pune - 4
December	**25-27**	Kolkata	Kolkata Mudra Utsav 2015	Haldiram Banquet Hall, Ballygunj, Kolkata
January	**8-9-10**	**Nashik**	**Nashik Rare Fare 2016**	Indraprashtha AC Hall, Old Gangapur Road, Nashik 2
January	**9**	**Nashik**	**Rajgor's Auction**	**7.00 pm,** Indraprashtha AC Hall, Old Gangapur Road, Nashik
January	24-26	Nagpur	Nagmoney 2016	Maheshwari Hall, Mor Bhavan, Jhansi Rani Square, Sitabuldi, Nagpur - 440 012
February	**5-6-7**	**Ujjain**	**Ujjain Mudra Utsav 2016**	Prem Chhaya Parisar, Near Railway Station, (# 94240 15643)
February	26-28	Bangalore	7th National Numismatic Exhibition	The Bell Hotel, Majestic, next to Bangalore City Railway Station

Anti Forgery Bureau of NGS

NGS No. 2150000-028903

Authority: British India *Ruler:* Victoria Empress

Specs: Silver, 11.48 g, 30.85 mm *Edge:* Milled

Denomination: Rupee *Year:* 1872

NGS No. 2150000-028910

Authority: British India *Ruler:* George V

Specs: Silver, 11.63 g, 30.79 mm *Edge:* Milled

Denomination: Rupee *Year:* 1917

The NGS is receiving daily, hundreds of coins and bank notes for grading and certification. This includes not only genuine items but also modern forgeries meant to fool collectors. These are sent to us for authentification. But as you very well know, such forgeries are **Never** Certified and Graded by the NGS. Here are some more of them. *(Rajgor)*

Rates of Advertisements in Gullak*

Category	Location	Size	1 Issue	12 Issues
Full Page	Inside pages	170 x 237 mm	Rs. 6,500	Rs. 78,000/-
¼ Page	Last page	170 x 57 mm	Rs. 3,750	Rs. 45,000/-
½ Page	Inside pages	170 x 118 mm	Rs. 3,750	Rs. 45,000/-
¼ Page	Inside pages	170 x 57 mm	Rs. 2,100	Rs. 25,000/-
¼ Page	Inside pages	84 x 118 mm	Rs. 2,100	Rs. 25,000/-
Visiting Card	Inside pages	84 x 51 mm	Rs. 1,000	Rs. 12,000/-

* Rs. 500 will be charged extra for layout and designing per advertisement.

Advertisements are subject to availability. The rates and sizes may be changed as per the decision of the management without any advance notice to readers / advertisers. This Rate Chart forfeits all previous rates.

Annual Subscription - Membership:

Rs. 700/- **(by Courier)**

Mode of Payment:
You can pay Cash/Cheque directly in our **HDFC Bank** A/c in the name of **Reesha Books International** (Charni Road, Mumbai Branch) **A/c No. 50200003200836**

RTGS / NEFT IFSC Code: HDFC0000356

Please **Call us (022-23820647** or **0-77 3838 4585)** when you deposit money in the Bank, otherwise we will not be able to acknowledge your payment. You can also **SMS** your deposit details on the **mobile: 0-77 3838 4585**

The Gullak Team - 2015

Editor: Dr. Dilip Rajgor

Correspondents:

Adv. Ashok P. Shahani	Mumbai
Abdul Razak Shaikh	Mumbai
G. Hemanth Chopra	Chennai
Girish J. Veera	Mumbai
Girish Sharma	Indore
K. K. Sevak	Hyderabad
Narinderpal Singh	Ludhiana
Percy Jokhi	Mumbai
Prashant Kulkarni	Nagpur
Ravi Shankar Sharma	Kolkata
Shastri JC Philip	Kochi
Shatrughan Saravagi	Ahmedabad
Sudip Kheria	Mumbai
T.M. Ravichandran	Coimbatore
Zubair Khan	New Delhi

Lot 145
Estimate: ₹ 2,000-3,000
Realized: ₹ **11,500**

Alamgirpur (Bhilsa-Vidisha) mint, Silver, **Rupee**, in the name of Muhammad Akbar II,

Lot 182
Estimate: ₹ 22,000-25,000
Realized: ₹ **22,000**

Khengarji III, Silver, 5 Koris, Date Error, with the name of George V, VS 1973, AD 1921, Bhuj mint, mis-matched date combination, milled edge without security edge

Lot 194
Estimate: ₹ 12,000-15,000
Realized: ₹ **17,000**

Anvil Die of Obverse of Nazarana Double Rupee, Bronze, Weight 310 g, 36 mm face of the Die, Height 40 mm, **Anvil Die of Obverse of Nazarana 2 (Double) Rupees**

Lot 199
Estimate: ₹ 12,000-15,000
Realized: ₹ **16,000**

Maharawal Sawant Singh (AD 1775-1844; AH 1189-1260), Bronze, Weight 640 g, 44 mm face of the Die, Height 55 mm, **Anvil Die of Obverse of Nazarana 5 Rupees**,

Lot 202
Estimate: ₹ 30,000-40,000
Realized: ₹ **51,000**

Udaya Singh (AD 1864-1890), Bronze, A Pair of Dies of **Nazarana 2½ Rupees; Punch Die**

Lot 211
Estimate: ₹ 38,000-40,000
Realized: ₹ **50,000**

Mumbai mint, Gold, 11.63 g, **Mohur** (*15 Rupees*), minted at Mumbai with the mint name Surat, in the name of Shah Alam II,

Lot 224
Estimate: ₹ 27,000-35,000
Realized: ₹ **38,000**

Victoria Empress, Copper, 12.72g, 30.95 mm, **1/2 Anna Proof,** Calcutta mint, **1878, bust B, a tiny 'V' raised to the right of bottom panel**

Lot 238
Estimate: ₹ 4,000-6,000
Realized: ₹ **10,000**

Golden Jubilee of Queen Victoria Medal, Copper, 1837-1887, obv. crowned bust of Victoria to left, rev. enthroned figure of Empire,

Reesha Books International

Gullak • ISSN 0975-8062 • Edited by Dr. Dilip Rajgor. **Published, Printed & Owned** by Parul Rajgor and published from **Reesha Books International**, Rajgor's, 6th Floor, Majestic Shopping Center, Near Church, 144 J.S.S. Road, Opera House, **Mumbai 400004**
Tel 022-3394 9331 • 022-23820 647 • *Cell* +91- 773838 4585 • info@rajgors.com • www.NGSofIndia.com • www.Rajgors.com